

भारतीय दर्शन एवं संस्कृति बोधक अंक

अंग (4)	साम, दाम, दंड, भेद।
अग्नि (3)	जठराग्नि, दावाग्नि, बड़वाग्नि।
अवतार (10)	मत्स्य, कच्छप, वाराह, नरसिंह, वामन, परशुराम, राम, कृष्ण, बुद्ध, कल्कि।
अवस्था (4)	जाग्रत, स्वप्न, सुषुप्ति, तुरीय।
अविद्या (5)	तमिश्च, अंधतमिश्च, तम, मोह, महामोह।
आस्रव (बंधन) (4)	कामास्रव, भयास्रव, दृष्टास्रव, अविद्यास्रव (बौद्ध-दर्शन)।
अष्टसिद्धि (8)	अणिमा, महिमा, गरिमा, लघिमा, प्राप्ति, प्राकाम्य, ईषित्व, वशित्व।
आदित्य (12)	धाता, मित्र, अर्यमा, रुद्र, वरुण, सूर्य, भगु, विवस्वान, पूषा, सविता, त्वष्टा, विष्णु।
इति (7)	अतिवृष्टि, अनावृष्टि, महामारी, चूहे, टिड्डी, तोते, आक्रमण।
इंद्रियाँ (10)	ज्ञानेन्द्रियाँ (5) आँख, कान, नाक, जिह्वा, त्वचा। कर्मेन्द्रियाँ (5) हाथ, पैर, मुँह/मुख, गुदा, जननेन्द्रिय।
उपनिषद (12)	केन, कठ, ईषावास्य, मुंडक, प्रश्न, मांडूक्य, एतरेय, तैत्तिरीय, वृहदारण्यक, श्वेताश्वर, छांदोग्य, कौषीतकी।
ऋण (4)	ऋषि, पितृ, मनुष्य, गुरु।
ऋतु (6)	वसंत, ग्रीष्म, वर्षा, शरद, शीत, हेमंत।
ऋषि (4)	देवर्षि, ब्रह्मर्षि, राजर्षि, महर्षि, जो क्रमशः नारद, वशिष्ठ, विश्वामित्र और गौतम हैं।
ऐश्वर्य (8)	अणिमा, महिमा, प्राप्ति, प्राकाम्य, ईषित्व, वशित्व, लघिमा, गरिमा।
ऐषणा (3)	पुत्रैषणा, वित्तैषणा, लोकैषणा।
कुंभ (4)	प्रयाग, उज्जैन, नासिक, हरिद्वार।
कर्मकांड (3)	कर्म, उपासना, ज्ञान।
कला (16)	अमृत, गणदा, पूषा, तुष्टि, पुष्टि, रति, धृति, शशिनी, चंद्रिका, कांति, ज्योत्स्ना, श्री, प्रीति, अंगद, पूर्ण, पूर्णामृत।